कितने लोकप्रिय हैं ऑनलाइन न्यूजपेपर?

मशक्कत न होना लोकप्रियता की वजह

उषा पाहवा

(लेखिका बीते दो दशकों से पत्रकारिता जगत में सक्रिय हैं। प्रतिष्ठित हिंदी दैनिकअखबार जनसत्ता से बतौर सह-संपादक के रूप में इन्होंने अपने करियर की शुरूआत की। लंबे समय तकइन्होंने दैनिक अमर उजाला में फीचर प्रभारी केपद पर कार्य किया और अब दस वर्षों से पंजाब केसरी अखबार में फीचर संपादक के पद पर कार्यरत हैं।)

आज भारत की जनसंख्या करीब 1.2 बिलियन हो चुकी है जिनमें से 70 प्रतिशत नागरिक ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में साक्षरता दर बढ़ी है। आजादी के समय यह केवल 16 प्रतिशत थी, आज यह 66 प्रतिशत से भी ज्यादा हो गई है। हालांकि कंप्यूटर साक्षरता दर अब भी कम है, लेकिन ज्यादा से ज्यादा लोग कंप्यूटर में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं जिससे इसके नेटवर्क का विस्तार होगा। भारत सरकार भी आईटी क्षेत्र के आधारभूत विकास को बढ़ावा दे रही है जिससे ऑनलाइन अखबारों के तेजी से विस्तार होने की संभावना है। भारत में ऑनलाइन न्यूजपेपर एक लाभकारी व्यवसाय के रूप में तेजी से उभर रहा है क्योंकि परंपरागत न्यूजपेपर के प्रकाशन की अपेक्षा ऑनलाइन न्यूजपेपर की लागत काफी कम होती है। दूसरा प्रकाशित सामग्री के लिए स्पेस भी कम लगता है जो न्यूजप्रिंट की अपेक्षा सस्ता होता है। ऑनलाइन अखबार के कुछ लाभ भी हैं। जैसे कि इंटरनेट यूजर्स में ध्यान क्षमता अधिक होती है जिससे टैक्स्ट को पढ़ने की वजह से ध्यान कम भटकता है। इसकेअलावा मीडिया या स्लाइड शो के माध्यम से रीडर्स का न्यूज के अलावा मनोरंजन किया जा सकता है। हालांकि इससे लेखन क्षमता या फिर पत्रकारिता वाली सोच का ह्रास नहीं होता। बिना किसी खास मशक्कत के खबरों को जानना, जानकारी प्राप्त करने कीवजह से ऑनलाइन अखबार पाठकों में लोकप्रिय हो रहे हैं।

संभावनाएं

अधिक्तर लोगों का मानना है कि प्रिंटेड अखबार धीरे-धीरे इलेक्ट्रॉनिक अखबार में बदल जाएंगे, उनका यह भी मानना है कि अखबारों के प्रिंटेड संस्करण की वजह से इलेक्ट्रॉनिक अखबार की वैल्यू ज्यादा बढ़ जाएगी। कुछ लोगों का यह भी मानना है कि प्रिंट और ऑनलाइन अखबार दोनों की संख्या तेजी से बढ़ेगी। वैसे भारतीय बाजार ऑनलाइन अखबार को लेकर काफी आशंकित हैं। वेब यूजर्स की बढ़ती तादाद को देखते हुए इसकेउज्जवल भविष्य के बारे में जरूर अंदाजा लगाया जा सकता है। कुछ लोगों का मानना है कि ऑनलाइन अखबार की वजह से प्रिंट अखबारों को किसी भी प्रकार का खतरा नहीं है, बल्कि प्रिंटेड अखबार के ऑनलाइन एडिशन ने

भारत में ऑनलाइन न्यूजपेपर एकलाभकारी व्यवसाय केरूप में तेजी से उभर रहा है क्योंकि परंपरागत न्यूजपेपर के प्रकाशन की अपेक्षा ऑनलाइन न्यूजपेपर की लागत काफी कम होती है। दूसरा प्रकाशित सामग्री केलिए स्पेस भी कम लगता है जो न्यूजप्रिंट की अपेक्षा सस्ता होता है। ऑनलाइन अखबार के कुछ लाभ भी हैं।

भविष्य की एक तस्वीर जरूर खींच दी है। ऑनलाइन अखबार के पाठक प्रिंट अखबारों की अपेक्षा अलग है। यह ऐसा पाठक वर्ग है जो स्थानीय खबरों को पढ़ने केअलावा दूसरी जगहों की खबरों को भी पढ़ना चाहते हैं जो उन्हें हार्ड कॉपी में नहीं मिल पाता। चाहे विशेषज्ञ कोई तर्कदें, पर ऑनलाइन अखबार की वजह से सूचना क्षेत्र में क्रांति जरूर आई है। पिछले कुछ वर्षों से अंग्रेजी के समाचार पत्रों टाइम्स ऑफ इंडिया, हिंदुस्तान टाइम्स, द हिंदू, इंडियन एक्सप्रेस और न्यू इंडियन एक्सप्रेस ने बड़ी तेजी से अपने ऑनलाइन एडिशन की शुरूआत की। लेकिन अब हिन्दी के लगभग सारे बड़े समाचार पत्रों का भी ई-पेपर अखबार की डिजिटल प्रतिकृति के स्वरूप में देखा जा सकता है। समाचार पत्र अब एक वेब समाचार पत्र यानी आनलाइन न्यूजपेपर स्वरूप में भी जाने जाते हैं, यह एक ऐसा अखबार है जो वर्ल्ड वाइड वेब या इंटरनेट पर मौजूद है, ऑनलाइन समाचार पत्र में बढ़ती संभावनाओं और समय पर खबरें पेश करने की वजह से भी यह आज लोकप्रिय होता जा रहा है और अन्य अखबारों के लिए प्रतिस्पर्धी भी। ऑनलाइन समाचार पत्र हार्ड कॉपी समाचार पत्रों की तरह काम कर रहे हैं जिसमें गोपनीयता और कॉपीराइट जैसे मुद्दे जो ब्रिटेन जैसे अधिकांश देशों में ऑनलाइन प्रकाशन के लिए लागू एक्ट की कानूनी सीमाओं का पालन करते हैं।